अतिरिक्त तरलता की निकासी: RBI की 50,000 करोड़ रुपये की VRRR नीलामी



मौलिक प्रतीकात्मक चित्र: pcsmantra.com

खबरों में क्यों

भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) ने 16 नवंबर 2026 की विज्ञप्ति में कहा कि मौजूदा और बदलती तरलता-स्थितियों की समीक्षा के बाद 17 नवंबर 2026 (मंगलवार) को वेरिएबल रेट रिवर्स रेपो (VRRR) नीलामी की जाएगी। अधिसूचित राशि 50,000 करोड़ रुपये, अवधि 2 दिन, नीलामी-खिड़की सुबह 9:30 से 10:00 बजे तक और निपटान-दिनांक (रिवर्सल) 19 नवंबर 2026 (गुरुवार) रखा गया है। नीलामी के परिचालन-दिशानिर्देश RBI की 13 फरवरी 2020 की विज्ञप्ति (2019-2020/1947) के अनुरूप रहेंगे।

परिचय: VRRR क्या है

वेरिएबल रेट रिवर्स रेपो (VRRR): वह नीलामी-व्यवस्था जिसमें RBI बैंकों से निधि उधार लेता है - यानी बैंक अपनी अतिरिक्त नकदी RBI के पास जमा करते हैं और बदले में ब्याज पाते हैं। 'वेरिएबल रेट' का अर्थ है कि ब्याज-दर नीलामी (बोली) से तय होती है, पहले से तय नहीं होती।

रिवर्स रेपो बनाम रेपो: रेपो (repo) में RBI बैंकों को निधि देता है (तरलता बढ़ती है); रिवर्स रेपो में RBI बैंकों से निधि लेता है (तरलता घटती है)। VRRR इसी रिवर्स रेपो का बाज़ार-आधारित, बोली-वाला रूप है।

तरलता (liquidity) क्यों संभालनी होती है: बैंकिंग प्रणाली में नकदी बहुत अधिक हो तो मुद्रास्फीति और सट्टा-गतिविधि का खतरा; बहुत कम हो तो ऋण-प्रवाह रुकता है। RBI दोनों दिशाओं में उपकरण चलाकर संतुलन रखता है।

मुख्य भाग: नीलामी का विवरण

- **तिथि:** 17 नवंबर 2026 (मंगलवार)।
- **अधिसूचित राशि:** 50,000 करोड़ रुपये।
- **अवधि:** 2 दिन; रिवर्सल 19 नवंबर 2026 (गुरुवार) - यानी 19 नवंबर को यह राशि ब्याज सहित बैंकों को लौट जाएगी।
- **खिड़की:** प्रातः 9:30 से 10:00 बजे।
- **पृष्ठभूमि:** मौजूदा और बदलती तरलता-स्थितियों की समीक्षा - जब व्यवस्था में अधिशेष नकदी दिखे, RBI इसे अस्थायी रूप से अवशोषित करता है।

VRRR, रिवर्स रेपो और LAF

लिक्विडिटी एडजस्टमेंट फेसिलिटी (LAF): RBI का वह ढाँचा जिसके तहत रेपो और रिवर्स रेपो के माध्यम से दैनिक तरलता समायोजित होती है। VRRR नीलामियाँ इसी LAF के अंतर्गत होती हैं। ध्यान दें - **मार्जिनल स्टैंडिंग फेसिलिटी (MSF)** अलग उपकरण है: इसमें बैंक आपात स्थिति में रेपो दर से कुछ अधिक दर पर RBI से रातों-रात निधि लेते हैं; यह तरलता देने की सुविधा है, अवशोषित करने की नहीं। इसी तरह **SDF (Standing Deposit Facility)** बिना जमानत के निधि अवशोषित करने की स्थायी सुविधा है। VRRR को MSF का घटक कहना गलत होगा।

परीक्षा के लिए महत्व

प्रिलिम्स की दृष्टि से: VRRR का अर्थ, LAF बनाम MSF/SDF का अंतर, रिवर्स रेपो से तरलता-अवशोषण, नीलामी के तथ्य (50,000 करोड़, 2 दिन, रिवर्सल 19 नवंबर) - प्रत्यक्ष प्रश्न-विषय।

मुख्य परीक्षा की दृष्टि से: मौद्रिक नीति के परिचालन-ढाँचे और तरलता-प्रबंधन की प्रक्रिया - GS-III (मौद्रिक नीति, बैंकिंग) के लिए।

आगे की राह

2-दिवसीय नीलामी 19 नवंबर को रिवर्स हो जाएगी। तरलता-स्थितियों के अनुसार RBI आगे भी इसी तरह की अल्पावधि नीलामियाँ कर सकता है; बाज़ार की नज़र ब्याज-दरों और मुद्रास्फीति-पूर्वानुमान पर बनी रहेगी।

प्रिलिम्स परीक्षा अभ्यास प्रश्न

प्रश्न1. 17 नवंबर 2026 की VRRR नीलामी के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
कथन 1: यह 2-दिवसीय नीलामी 50,000 करोड़ रुपये की थी
कथन 2: इसका घोषित रिवर्सल-दिनांक 19 नवंबर 2026 है
कथन 3: VRRR नीलामियाँ मार्जिनल स्टैंडिंग फेसिलिटी (MSF) के अंतर्गत होती हैं

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1 और 2

(b) केवल 2 और 3

(c) केवल 1 और 3

(d) 1, 2 और 3

उत्तर और व्याख्या

सही उत्तर: (a) केवल 1 और 2

व्याख्या: कथन 1 सही है: घोषित नीलामी 2-दिवसीय और 50,000 करोड़ रुपये की है। कथन 2 सही है: घोषित रिवर्सल-दिनांक 19 नवंबर 2026 (गुरुवार) है। कथन 3 गलत है: VRRR लिक्विडिटी एडजस्टमेंट फेसिलिटी (LAF) के अंतर्गत होता है; MSF बैंकों को अतिरिक्त तरलता देने की सुविधा है।

प्रश्न2. VRRR नीलामी से RBI का क्या प्रयोजन होता है?

(a) बैंकिंग प्रणाली में तरलता जोड़ना

(b) बैंकिंग प्रणाली से अधिशेष तरलता अवशोषित करना

(c) बैंकों को दीर्घकालिक ऋण देना

(d) विदेशी मुद्रा-भंडार बढ़ाना

उत्तर और व्याख्या

सही उत्तर: (b) बैंकिंग प्रणाली से अधिशेष तरलता अवशोषित करना

व्याख्या: VRRR में RBI बैंकों से निधि उधार लेता है (रिवर्स रेपो), जिससे व्यवस्था से अतिरिक्त नकदी अस्थायी रूप से निकलती है। तरलता जोड़ने के लिए रेपो/MSF जैसे उपकरण होते हैं।

मुख्य परीक्षा अभ्यास प्रश्न

भारतीय रिजर्व बैंक के तरलता-प्रबंधन उपकरणों की समीक्षा कीजिए। VRRR नीलामियाँ मौद्रिक नीति के परिचालन ढाँचे में क्या भूमिका निभाती हैं? (सामान्य अध्ययन-III; 250 शब्द)

उत्तर की रूपरेखा:

भूमिका में: 17 नवंबर 2026 की 50,000 करोड़ रुपये की VRRR नीलामी का परिचय; तरलता-प्रबंधन का अर्थ।

मुख्य भाग में: LAF के अंतर्गत रेपो/रिवर्स रेपो का तंत्र; VRRR की बोली-आधारित प्रक्रिया और अल्पावधि अवशोषण में भूमिका; MSF और SDF से अंतर; तरलता-अधिशेष से मुद्रास्फीति और सट्टा-जोखिम का संबंध; परिचालन-दिशानिर्देशों (2020 की विज्ञप्ति) से नियमितीकरण।

निष्कर्ष में: निष्कर्ष रखें कि बाज़ार-अनुकूल, लचीले उपकरण (जैसे VRRR) मूल्य-स्थिरता के लक्ष्य को व्यावहारिक रूप देते हैं।

अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न (FAQ)

संक्षिप्त उत्तर: RBI ने 17 नवंबर 2026 के लिए 50,000 करोड़ रुपये की 2-दिवसीय VRRR नीलामी घोषित की (रिवर्सल 19 नवंबर 2026), जिससे बैंकिंग प्रणाली की अधिशेष तरलता अस्थायी रूप से अवशोषित होगी।

प्रश्न: VRRR क्या है?

वेरिएबल रेट रिवर्स रेपो - RBI द्वारा बैंकों से निधि लेने की नीलामी-व्यवस्था, जिसमें ब्याज-दर बोली से तय होती है; इससे अतिरिक्त तरलता अवशोषित होती है।

प्रश्न: VRRR और MSF में क्या अंतर है?

VRRR तरलता अवशोषित करने का LAF-अंतर्गत नीलामी-उपकरण है; MSF बैंकों को रेपो दर से अधिक दर पर रातों-रात निधि देने की आपात सुविधा है।

प्रश्न: इस नीलामी की राशि और अवधि क्या थी?

अधिसूचित राशि 50,000 करोड़ रुपये, अवधि 2 दिन; नीलामी 17 नवंबर और रिवर्सल 19 नवंबर 2026 को।

स्रोत

- RBI - RBI to conduct 2-day Variable Rate Reverse Repo (VRRR) auction under LAF on November 17, 2026 (16 नवंबर 2026): https://www.rbi.org.in/Scripts/BS_PressReleaseDisplay.aspx?prid=63984

संबंधित लेख (आंतरिक लिंक)

- थोक महंगाई 12.29% पर: अक्टूबर 2026 के WPI आँकड़ों की पूरी तस्वीर
- जुलाई-सितंबर GDP: 8% के करीब रहने की उम्मीद, आंकड़े 30 नवंबर को